

B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-V

Classical Sanskrit Literature (Drama)

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answer in their own words
as far as practicable.*

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु 'क' विभागतः सप्तानां प्रश्नानां 'ख' विभागतः त्रयाणां प्रश्नानां च उत्तरम् सुरगिरा देवनागरीलिपिम् आप्नित्य देयम्।
नीचेर प्रश्नगुणिर मध्ये 'क' विभाग थेके सातटि एवंग 'ख' विभाग थेके तिनटि प्रश्नेर संस्कृत भाषाय देवनागरी लिपिते उततर दाओ।

2×10=20

'क'-विभागः

'क'-विभाग

- (a) 'उद्यानलता', 'वनलता' पदद्वयेन के लक्ष्यते? किं तत्र कारणम्?
'उद्यानलता' ओ 'वनलता' शब्दद्वयेर द्वारा कादेर कथा बला हयेछे? एवंग तादेर एरूप बलार कारण की?
- (b) मृगानुसारिणः राज्ञः वर्णना सारथिः कथं कृतवान्?
सारथि मृगानुसारी राजार किरूप वर्णना दियेछेन?
- (c) सेनापतेः विचारेण मृगयायाः उपकारिता का?
सेनापतिर मते मृगयार उपकारिता की?
- (d) हस्तिनापुरं प्रविश्य शारद्वतस्य अनुभवः किम् आसीत्?
हस्तिनापुरे प्रवेश करे शारद्वतेर की बोध हयेछिल?
- (e) 'अनसूया' 'प्रियंवदा' इति पदद्वयस्य को अर्थः?
'अनसूया' ओ 'प्रियंवदा' पदद्वयेर अर्थ की?
- (f) 'चक्रवाकवधुः आमन्त्रयस्व सहचरम्, उपस्थिता रजनी।' - वाक्येऽस्मिन् चक्रवाकवधु तथा रजनी इति पदद्वयेन का लक्षिता?
'चक्रवाकवधुः आमन्त्रयस्व सहचरम्, उपस्थिता रजनी।' — वाक्यटिते चक्रवाकवधु ओ रजनी शब्देर द्वारा काके बोधानो हयेछे?
- (g) शकुन्तलायाः हस्तिनापुरगमनकाले वनदेवताः उपहारत्वेन किम् आनीतवत्यः?
शकुन्तलार हस्तिनापुर यात्राकाले वनदेवतागण की उपहार एनेछिलेन?
- (h) नान्द्याः का आवश्यकता? नान्दीषु केषां मङ्गलसूचकानां पदानां व्यवहारः क्रियते?
नान्दीर उद्देश्य की? साधारणभावे कोन कोन माङ्गलिक शब्द नान्दीते व्यवहृत हय?
- (i) दूष्यन्तः केन प्रकारेण केन वैखानसेन आमन्त्रितः आसीत्?
दूष्यन्त कीभावे एवंग कोन वैखानस कर्तृक आमन्त्रित हयेछिलेन?

- (j) गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः — इति वाक्ये केषां तेजसः वर्णनाऽस्ति? तेषां तेजः केन सह तुल्यते?
'गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः' — এই বাক্যে কাদের তেজের কথা বলা হয়েছে? তাদের তেজের সাথে কীসের তুলনা করা হয়েছে?

'ख'-विभागः

'ख'-विभाग

- (k) भासस्य नाट्यवैशिष्ट्यं किम्?
ভাসের নাট্যবৈশিষ্ট্য কী?
- (l) संस्कृतदृश्यकाव्यानां आद्यश्लोकस्य अन्तिमश्लोकस्य च पारिभाषिकं नाम किम्?
সংস্কৃত দৃশ্যকাব্যের প্রথম ও শেষ শ্লোকের পারিভাষিক নাম কী?
- (m) मृच्छकटिकस्य टीकाकारद्वयस्य नामोल्लेखं कुरु?
মৃচ্ছকটিকের দুজন টীকাকারের নাম লেখো।
- (n) भासप्रणीतानां एकाङ्करूपकाणां नामानि लिखत।
ভাসের একাঙ্ক রূপকগুলির নাম লেখো।
- (o) प्रतिज्ञायौगन्धरायणमिति रूपकस्य प्रणेतुः नाम किम्? नायिकायाः नायकस्य च नामोल्लेखः कर्तव्यः?
'प्रतिज्ञायौगन्धरायण'-এর প্রণেতা কে? রূপকটির নায়ক ও নায়িকার নাম লেখো।
2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चनद्वितयं सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতে লেখো।

- (a) निम्नलिखितस्य कस्यापि एकस्य संक्षिप्ता टीका करणीया।

নীচের যে কোনো একটির সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।

उत्तररामचरितम्, शूद्रकः

উত্তররামচরিতম্, শূদ্রকঃ

- (b) निम्नलिखितस्य कस्यापि एकस्य अनुवादः बङ्गभाषया कुरु।

নীচের যে কোনো একটি শ্লোকের বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো।

ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः

पश्चार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्।

दर्भैरर्धावलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा

पश्योदग्रप्लुतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्यां प्रयाति।।

অথবা/ অথবা,

न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्

मृदुनि मृगशरीरे तूलराशाविवाग्निः।

क्व वत हरिणकाणां जीवितं चातिलोलं

क्व च निशितनिपाताः वज्रसाराः शरास्ते।।

(c) प्राकृतात् संस्कृतभाषया परिवर्तनं कुरु।

প্রাকৃতভাষা থেকে সংস্কৃত ভাষায় পরিবর্তন করো :

ईसीसिचुम्बिआई भमरेहिं सुउमारकेसरसिहाई।

ओदंसअन्ति दअमाणा पमदाओ सिरीसकुसुमाई॥

(d) निम्नलिखितेभ्यः कस्यापि एकस्य श्लोकस्य संस्कृतभाषया व्याख्या कार्या।

নীচের যে কোনো একটি শ্লোকের সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।

बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः॥

অথবা/ অথবা,

गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्थितं चेतः।

चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य॥

(e) 'परिहासविजल्पितं सखे परमार्थेन न गृह्यतां वचः' केन उक्तमिदं वाक्यम्? नाटकस्य वृद्धयर्थं एतस्य भूमिका आलोचनीया।

1+4=5

'परिहासविजल्पितं सखे परमार्थে ন গৃহ্যতাং বচঃ' — এটি কার উক্তি? নাটকের অগ্রগতির জন্য এর গুরুত্ব আলোচনা করো।

(f) कस्याप्येकस्य संस्कृतभाषया भावसम्प्रसारणं कुरु।

যে কোনো একটি সংস্কৃত ভাষায় ভাবসম্প্রসারণ করো।

(i) अर्थो हि कन्या परकीय एव।

(ii) भवन्ति नम्रास्तरवः फलागमैः।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु 'क' विभागे एकस्य 'ख' विभागे एकस्य प्रश्नस्य चोत्तरं लिख्यताम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে একটি ও 'খ' বিভাগ থেকে একটি প্রশ্নের উত্তর লেখো।

'क'-विभागः

'क'-विभाग

(a) कालिदासस्य सर्वस्वमभिज्ञानशकुन्तलम् — इति वाक्यस्य याथार्थ्यं प्रतिपादयत।

কালিদাসস্য সর্বস্বমভিজ্ঞানশকুন্তলম্ — এই বাক্যের যথার্থতা বিচার করো।

(b) कालिदासस्य अभिज्ञानशकुन्तलं इति नाटकस्य पञ्चमाङ्के वर्णितं शकुन्तलाप्रत्याख्यातम् संक्षेपेण आलोचयत्। तथा तस्य कारणानि च विचारयत।

কালিদাসের অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ নাটকের পঞ্চম অঙ্কের শকুন্তলার প্রত্যাখ্যান দৃশ্যটি সংক্ষেপে বর্ণনা করে এর কারণ বিচার করো।

'ख'-विभागः

'ख'-विभाग

- (c) श्रीहर्षरचितग्रन्थानाम् आलोचनां कुरु।
श्रीहर्षेर रचनावली सम्पर्के आलोचना करो।
- (d) प्रकरणं किम्? द्वयोः प्रकरणयोः नामोल्लेखं कुरु। कस्याप्येकस्य नाट्यमूल्यनिरूपणं कुरु।
प्रकरणं कान्के बले? दुटि प्रकरणेर नाम लेखो। तादेर मध्ये ये कानो एकाटि प्रकरणेर नाट्यमूल्य निर्णय करो।
-